भारत की सुलगती सीमाएँ

डॉ0 दिनेश कुमार पटेल*
डॉ0 अजय कुमार पाण्डेय**

आदि काल से ही दो राज्यों की सीमाएँ युद्ध का एक प्रमुख कारण रही है। वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार आज भी विश्व के करीब 20 सीमाओं के विवाद के कारण युद्ध जारी है या युद्ध होने का खतरा बना हुआ है। दुर्भाग्य से भारत का अधिकांश पड़ोसियो के साथ सीमाओं का उचित तरीके से निर्धारण नही हो पाया है। पाकिस्तान के साथ यह विवाद भले ही बहुचर्चीत हो मगर अन्य पड़ोसी देशो के तरफ से भी भारत निश्चिन्त नही है। भारत –चीन सीमा तथा भारत –बाग्लादेश पर समय–समय पर उठी लपटें इसी सुलगती सीमाओं का परिणाम था।

भारत की सीमाएँ सात देशों से लगती है–उतर पश्चिम में पकिस्तान एंव अफगानिस्तान, उत्तर में चीन, नेपाल तथा भूटान पूर्व मे भूटान और पश्चिम मे बाग्लादेश है। कश्मीर की कुछ हिस्सा पकिस्तान द्वारा हड़प लेने के कारण भारत का अफगानिस्तान से कोई सीधा सम्पर्क नही है लेकिन अफगानिस्तान का छोटा पामीर एक गलिपारे के रूप में पाक अधिकृत कश्मीर से मिला है दक्षिण में पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी भारत को श्रीलंका से अलग करता है। भारत की कुल भूमि सीमा लगभग 15.200 किमी लम्बी है जो 17 राज्यों के 92 जनपदों से होकर गुजरती है इसके अलावा 5422 किमी समुद्री तट है जो 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को छुता है इन सीमाओं के अतिरिक्त 1197 द्वीप भी भारत के स्वामित्व मे है द्वीप तट सहित भारत की कुल समुद्री सीमा 75166 किमी है। भारत के अन्य पड़ोसियो से सीमा संम्बन्धी समस्याएं निम्नलिखित प्रकार है–

भारत–पाक सीमा विवाद

भारत का सबसे विवादित पड़ोसी देश पाकिस्तान से भारत–पाक की सीमा कच्छ के रन से कश्मीर में काराकोरम दर्रा के पास तक विस्तृत है। कच्छ के रन में तो दोनों के बीच 1965 में वकायदा युद्ध हो चुका है। कच्छ के रन में सरक्रीक नामक एक सकरे समुद्री क्षेत्र में दोनों के बीच सीमाओं का निर्धारण अभी तक नही हो पाया है। 1965 के युद्ध के बाद इस क्षेत्र मे सीमा निर्धारण के लिए तीन पश्चिमीं देशों की सदस्यता वाला एक न्यायाधिकरण का गठन किया गया इसमें भारत की सहमति से युगोस्लाविया के जज एलस वेवलर, पाकिस्तान की सहमति से इरान के जज नसरूलइतजाम मनोनीत थे स्वीडन के जज गुन्नार लेगरग्रेन इसके अध्यक्ष थे जो दोनों देशों द्वारा मनोनीत थे सीमा का निर्धारण किया था जहाँ 1965 में युद्ध हुआ था सरक्रीक अभी भी अनिर्णीत है भारत चाहता है कि पहले व्यापक महत्व के समुद्री सीमा का निर्धारण हो तथा संरक्रीक के मध्य से सीमा होनी चाहिए मगर पाकिस्तान पहले सरक्रीक के सीमा निर्धारण को अधिक महत्व देता है वह यह भी चाहता है कि सीमा निर्धारण सरक्रीक के पूर्वी सिरे से होनी चाहिए। क्षेत्र मे सीमा निर्धारण मे सबसे बड़ी कठीनाई यह है कि ज्वार के कारण इस क्षेत्र की स्थिति लागातार बदलती रहती है। इस सम्बन्ध मे मुम्बई सरकार के 1914 के एक प्रस्वाव के साथ संलग्न नक्शे का दोनों देश हवाला देते है। पर मुश्किल यह है कि दोनों अपने–अपने नजरिये से इसको व्याख्या करते हैं। इसके साथ ही यह कश्मीर को पाकिस्तान अपना राज्य मानता है। तथा कश्मीर को लेकर समय–समय पर तनाव पैदा होता रहता है।

भारत–चीन सीमा विवाद

भारत –चीन के बीच सीमा विवाद 1950–51 से शुरू हुआ जब साम्यवादी चीन के नक्शें में भारत के एक बड़े भाग को चीन का अंग दिखाया गया भारत सरकार के विरोध जताने पर चीन ने इसे सरकार (कोमिन्ताग) का पुराना नक्शा कहकर टाल दिया तथा समय मिलते ही इन नक्शों को ठीक कराने के आश्वासन के बाद भारत सरकार निश्चिन्त हो गयी जो उसकी भयंकर भूल साबित हुए । चीन के साथ भारत का सीमा विवाद के तीन क्षेत्र है।

* **शोध छात्र, जवाहर लाल नेहरू स्मा0 पी0का0, महराजगंज (उ0प्र0)**
** **शोध छात्र, जवाहर लाल नेहरू स्मा0 पी0का0, महराजगंज (उ0प्र0)**

1. पश्चिमी क्षेत्र– इस क्षेत्र मे काराकोरम दर्रे तक 4000 वर्ग किमी तथा लद्दाख मे 38000 वर्ग किमी क्षेत्र पर चीन दावा करता है।
2. मध्य क्षेत्र– इस क्षेत्र मे वाराहोती के 40 वर्ग किमी क्षेत्र पर भी चीन अपना दावा करता है।
3. पूर्वी क्षेत्र– अरूणाचल प्रदेश मे मैकमोहन रेखा जो कि वास्वविक और पारम्परिक रेखा थी जो 1914 के शिमला समझौते के अनुसार तय की गयी थी उसको नही मानते हुए 90.000 वर्ग किमी क्षेत्र पर भी अपना हक जताता है।

भारत–नेपाल सीमा विवाद

नेपाल के साथ भारत का सीमा विवाद कालापानी क्षेत्र में है लगभग 200 किमी मे विस्तृत यह सामरिक दृष्ट्रि से अति संवेदनशील क्षेत्र भारत तिब्बत और नेपाल की सीमा पर है कालापानी से निकलने वाली नदी को ही कुमाऊ (उत्तराचंल) और नेपाल की सीमा माना था इससे दगरू और तिकर गॉव नेपाल को तथा नॉवी तथा कुटी गाँव भारत को मिले। लेकिन नेपाल नाँवी व कुटी गांव पर अपना दावा जताता है।

भारत–बाग्लादेश सीमा विवाद

16 अप्रेल 2001 को भारत के मेधालय राज्य के माणिकचार सैक्टर तथा असम के वोडवारी क्षेत्र के पिरदिवाह में भारत एवं बाग्लादेश के सैनिको के बीच हुए संघर्ष ने दोनों देशों के सीमा –विवाद पर बरबस लोगों का ध्यान खींचा है। बाग्लादेश जिस क्षेत्र पर कार्यवाही की उस पर लगभग 755 एकड़ भूमि मे से 525 एकड़ पर भारत तथा 235 एकड़ पर बाग्लादेश का आधिपत्य है। भारत बाग्लादेश सीमा विवाद निम्न है।

(1) दाईखाटा क्षेत्र (कुच बिहार) 1.5 किमी
(2) लाठीरीला (करीमगंज असम) 3 किमी
(3) मुहारी नदी क्षेत्र (त्रिपुरा) 1.5 किमी

श्रीलंका सीमा विवाद

भारत एवं श्रीलंका के बीच उल्लेखनीय मसला कच्छदीव से सम्बन्धीत है। कच्छदीव भारत एव श्रीलंका के बीच 200 एकड़ का एक छोटा सा निर्जन द्वीप है। जिसमे सिर्फ नागफनी उगती है इस द्वीप के आस–पास तेल की बड़े भण्डार होने की आशा लोभ का एक बड़ा कारण है जिससे दोनों देश इस पर अपना अधिकार जताते थे लेकिन भारत 28 जून 1974 को श्रीलंका को दे दिया लेकिन तमिलनाडू के नेता कभी–कभी इसका जिक्र कर तनाव पैदा कर देते है।

भारत–म्यांमार सीमा विवाद

भारत एवं म्यामार के बीच 1600 किमी लम्बी रेखा है जो नागालैण्ड एव मणिपुर से लगती है भारत एवं म्यामार दोनों की समस्या सीमा पर सक्रिय अलगाववादी है जिन्होंने अराकान की पहाड़ियों मे अपने ठीकाने वन रखे है म्यामार के अराकानी और काचेन विद्रोहियों के भारत के नागा विद्रोहियों से गहरे सम्बन्ध होने का सबूत मिलते रहे है जिससे इन देशों में विवाद बना हुआ है।

भारत–भूटान सीमा विवाद

बड़े ही सौभाग्य से दोनों देशों के बीच अभी तक सीमा सम्बंधी कोई समस्या उत्पन्न नही हुई है किन्तु चीन एव भारत के बीच बफर स्टैट होने तथा पूर्वोत्तर के संवेदनशील सीमा से लगने के कारण भारत को भूटान सीमा पर चौकस रहना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रतियोगिता दर्पण मई 2003
2. फडिया वी0 एल0 अन्तर्राष्ट्रीय सम्बध, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा।
3. डॉ0 पुष्पेश पंत अन्तर्राट्रीय सम्बन्ध, मिनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
4. सम–सामायिक महासागर
5. इण्डिया टूडे